द्वितीयःसत्र

Blue Orchid
नव रुचिरा
संस्कृतपाठ्यपुस्तकम्
0
संशोधित-संस्करणम्
All in one
Textbook + Workbook + Grammar
सरलभाषा
आकर्षक-चित्राणि गतिविधयश्च
प्रायोगिक-व्याकरणम्, अपठित-अवबोधनम्
रचनात्मक-कार्यम् च।
पठनाय गानाय स्मरणाय च अतिरिक्त-पाठाः
आदर्श-प्रश्नपत्रम्
डी॰ वी॰ डी॰ के साथ
(केवल शिक्षकों के लिए)
सहायक पुस्तिका
(केवल शिक्षकों के लिए)
With ONLINE Support
and Test Generator Software for Schools

पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class -V

Sanskrit

NavRuchira

part-0

S.A-2

Specimen Copy

Year- 2022-23

अनुक्रमणिका

Pa- 2 chapter (7 to 9)	Sa -2 chapter – (7 to 12)

NO	TITLE	PAGE-NO
सप्तमःपाठः	'प्रथम-पुरुषः' तीनों लिंगों में	4
	दशरथ मांझी (पठनाय)	7
अष्ठमःपाठः	'मध्यम-पुरुषः' तीनों लिंगों में	9
नवमःपाठः	'उत्तम-पुरुषः' तीनों लिंगों में	12
	मधुराः श्लोकाः (पठनाय)	16
दशमःपाठः	संख्यावाचकाः शब्दाः	17
एकादशःपाठः	अव्यय-पदानां प्रयोगः	20
	सूक्तयः (पठनाय)	23
द्वादशःपाठः	श्री रामस्य कथा	24

सप्तमःपाठः

'प्रथम-पुरुषः' तीनों लिंगों में

शब्दार्थाः

- अश्वौ - दो घोड़े
- महिले - दो महिलाएँ
- नृत्यतः - दो नाचती है
- प्रवहति - बढती है
- स्तः - हैं
- अजाः - बकरियाँ
- गृहाणि - अनेक घर
- मयूराः - अनेक मोर
- विकसति - खिलता है
- चक्रम - पहिया
- सन्ति - अनेक है
- भ्रमति - घूमता है

पाठ का परिचय

संसार के सभी जीवों तथा वस्तुओं को प्रथम पुरुष माना गया है,परन्तु इनको तीन लिंगो में विभाजित किया गया है। दुसरे शब्दों में जिसके बारे में कहा जाए ,उसे प्रथम पुरुष कहा जाता है।

संसार के प्राणियों तथा वस्तुओं के लिए नीचे दिए गए सर्वनामों का प्रयोग होता है।

		एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
1.	पुल्लिंग शब्द–	बालकः	बालकौ	बालकाः
	सार्वनामिक प्रयोग–	सः	तौ	ते
		(वह)	(वे दोनों)	(वे सब)
2.	स्त्रीलिंग शब्द–	बालिका	बालिके	बालिकाः
	सार्वनामिक प्रयोग–	सा	ते	ताः
		(वह)	(वे दोनों)	(वे सब)
3.	नपुंसकलिंग–	पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
	सार्वनामिक प्रयोग–	तत् (वह)	ते (वे दो)	तानि (वे सब)

अभ्यासकार्यम

प्र-1 एकपदेन उत्तरत-

जैसे कौ धावतः - अश्वौ

1- के नृत्यति? - मयूराः

2- काः गायन्ति? - कोकिलाः

3- किम विकसति? - कमलम

4- कौ गर्जतः? - सिंहौ

5- काः चरन्ति? - अजाः

6- के पततः? - पत्रे

प्र-2 उचित कतृपदेन रिक्तस्थानानि पूरयत।

1- -------- पठति। (सा, ते, ताः)

2- ------- आगच्छन्ति। (सः, तौ, त)

3- ------- भ्रमति। (तत, ते, तानि)

4- ------- सन्ति। (तानि, तत)

5- ------- पततः। (तत, त, तानि)

6- ------- गायन्ति। (ताः, सा, त)

7- ------- प्रवहित। (सा, ते, ताः)

8- ------- धावतः। (सः, तौ, त)

9- ------- नृत्यतः। (महिल, महिलाः)

10- ------- स्तः। (नेत्राणि, नेत्रे)

11- ------- धावन्ति। (मृगः, मृगाः)

12- ------- चरति। (अजा, अजे)

प्र-3 अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धं 'आम' अशुद्धं 'न' लिखत।

1- मयूरा नृत्यन्ति। (आम)

2- तौ धावति। (आम)

3- तत भ्रमति। (आम)

4- ताः गायतः। (न)

5- गृहाणि सन्ति। (आम)

6- पत्रे पतन्ति। (न)

7- सः पठतः। (न)

8- कोकिलाः गायति। (न)

9- तौ गर्जतः। (आम)

10- अजाः चरन्ति। (आम)

प्रवृत्ति

कोई पाँच शब्द को तीन लिंगो में विभाजित करो।

दशरथ मांझी (पठनाय)

जानें पहाड़ तोड़ने वाले शख्स दशरथ मांझी के बारे में

दशरथ मांझी, एक ऐसा नाम जो इंसानी जज़्बे और जुनून की मिसाल है. वो दीवानगी, जो प्रेम की खातिर ज़िद में बदली और तब तक चैन से नहीं बैठी, जब तक कि पहाड़ का सीना चीर दिया. जानें मांझी के बारे में:

जिसने रास्ता रोका, उसे ही काट दिया:

बिहार में गया के करीब गहलौर गांव में दशरथ मांझी के माउंटन मैन बनने का सफर उनकी पत्नी का ज़िक्र किए बिना अधूरा है. गहलौर और अस्पताल के बीच खड़े जिद्दी पहाड़ की वजह से साल 1959 में उनकी बीवी फाल्गुनी देवी को वक़्त पर इलाज नहीं मिल सका और वो चल बसीं. यहीं से शुरू हुआ दशरथ मांझी का इंतकाम.

22 साल की मेहनत:

पत्नी के चले जाने के गम से टूटे दशरथ मांझी ने अपनी सारी ताकत बटोरी और पहाड़ के सीने पर वार करने का फैसला किया. लेकिन यह आसान नहीं था. शुरुआत में उन्हें पागल तक

कहा गया. दशरथ मांझी ने बताया था, 'गांववालों ने शुरू में कहा कि मैं पागल हो गया हूं, लेकिन उनके तानों ने मेरा हौसला और बढ़ा दिया'.

अकेला शख़्स पहाड़ भी फोड़ सकता है!

साल 1960 से 1982 के बीच दिन-रात दशरथ मांझी के दिलो-दिमाग में एक ही चीज़ ने कब्ज़ा कर रखा था. पहाड़ से अपनी पत्नी की मौत का बदला लेना. और 22 साल जारी रहे जुनून ने अपना नतीजा दिखाया और पहाड़ ने मांझी से हार मानकर 360 फुट लंबा, 25 फुट गहरा और 30 फुट चौड़ा रास्ता दे दिया

दुनिया से चले गए लेकिन यादों से नहीं!

दशरथ मांझी के गहलौर पहाड़ का सीना चीरने से गया के अतरी और वज़ीरगंज ब्लॉक का फासला 80 किलोमीटर से घटकर 13 किलोमीटर रह गया. केतन मेहता ने उन्हें गरीबों का शाहजहां करार दिया. साल 2007 में जब 73 बरस की उम्र में वो जब दुनिया छोड़ गए, तो पीछे रह गई पहाड़ पर लिखी उनकी वो कहानी, जो आने वाली कई पीढ़ियों को सबक सिखाती रहेगी.

अष्ठमःपाठः

'मध्यम-पुरुषः' तीनों लिंगों में

शब्दार्थाः

- असि - तुम हो
- स्थः - तुम दो हो
- स्थ - तुम सब हो
- त्वम - तुम
- युवाम - तुम दो
- यूयम - तुम सब
- नृत्यसि - नाचते हो
- कूर्दथः - कूदते हो
- पाठयसि - पढ़ती हो
- तरथ - तैरते हो
- मृगौ - दो हिरण
- गजौ - दो हाथी
- सैनिकाः - सैनिक
- रक्षथः - रक्षा करते हो
- दूरदर्शनम - दूरदर्शन
- धावथः - दौड़ते हो
- गयिकाः - गायिका
- गायथ - गाती हो

पाठ का परिचय

- परस्पर बातें करते समय सुननेवाला व्यक्ति मध्यमपुरुष कहलाता है।
- पुल्लिग, स्त्रीलिंग तथा नपुसकलिंग तीनों में मध्यम पुरुष एकवचन के लिए त्वम (तुम), द्विवचन के लिए युवाम (तुम दो) तथा बहुवचन के लिए यूयम (तुम सब) का प्रयोग होता है। तीनों लिंगों के क्रिया समान होतो है।

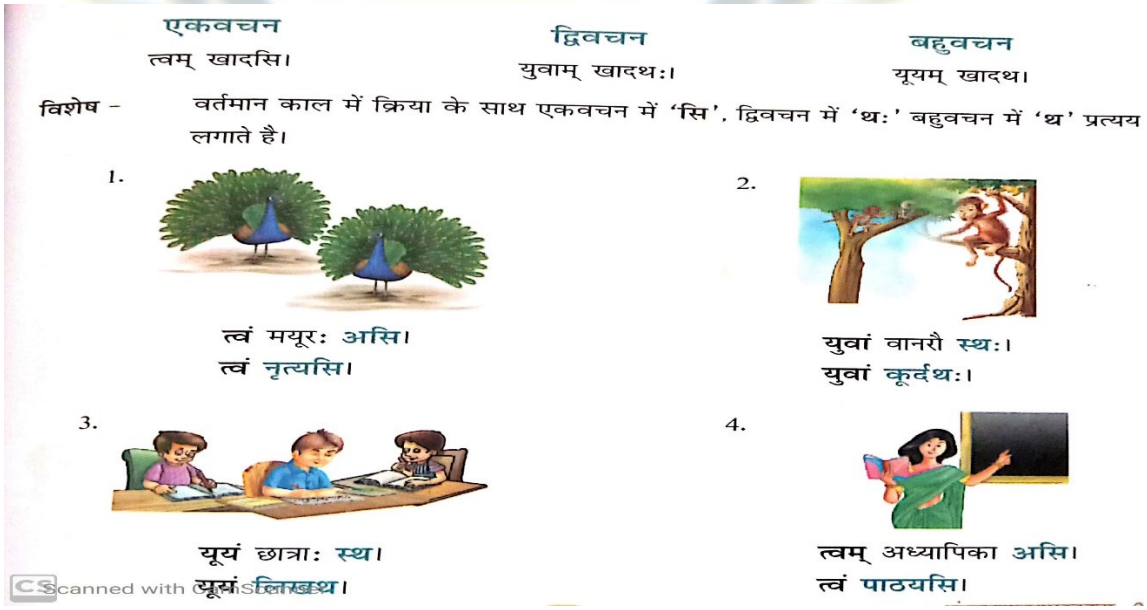

Scanned with CamScanner

अभ्यासकार्यम

प्र-1 प्रदतेषु कर्तृपदेषु उचित कर्तृपदेषु रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- -------- गच्छथः। (त्वम, युवाम, यूयम)

2- ------- स्थः। (युवाम, त्वम)

3- ------- बालिका स्थः। (यूयम, युवाम)

4- ------- नायिके स्थः। (त्वम, युवाम)

5- ------- सैनिकौ स्थः। (यूयम, युवाम)

6- ------- पुस्तकम असि। (त्वम, युवाम)

7- ------- महिला स्थः। (त्वम, युयम)

8- ------- सत्यं वदसि। (त्वम, युवाम)

9- ------- गीतं गायथ। (यूयम, युवाम)

10- ------- पाठं पाठयसि। (त्वम, युवाम)

प्र-2 अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धं 'आम' अशुद्धं 'न' लिखत।

1- त्वं बालिका स्थः। (न)

2- युवां छात्रौ असि। (न)

3- यूयम सैनिकाः स्थ। (आम)

4- त्वं गायिका असि। (आम)

5- युवां कन्ये स्थः। (आम)

6- यूयं अध्यापिकाः स्थ। (आम)

7- त्वं मयूरः स्थः। (न)

8- युवां सिंहौ असि। (न)

9- यूयम काकाः स्थः। (न)

10- त्वम धावकः असि। (न)

प्र-3 अधोलिखितेन कर्तृपदेन क्रियापदं मेलयत-

कर्तृपदानि	क्रियापदानि
1- त्वम	स्थः
2- युवाम	असि
3- यूयम	पठसि
4- त्वं नायिका	स्थ
5- युवां क्रीडकौ	गच्छथ
6- यूयं सेवकाः	वदथः

प्रवृत्ति

- चित्रम रचयत। (मयूरौ)

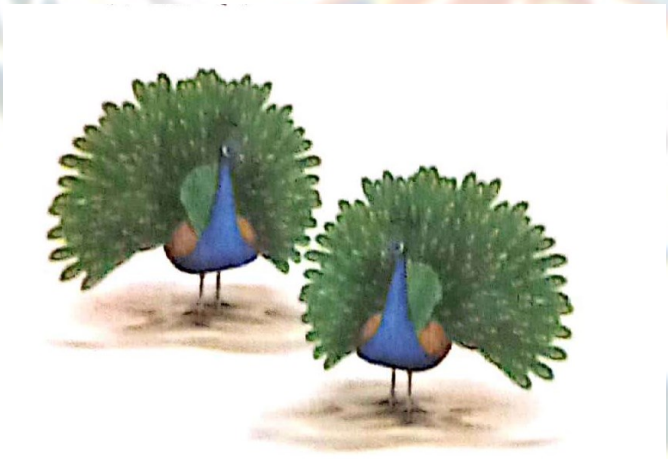

नवमःपाठः

'उत्तम-पुरुषः' तीनों लिंगों में

शब्दार्थाः

- अहम - मैं
- आवाम - हम दो
- अस्मि - हूँ
- स्वः - है
- वयम - हम सब
- गायकः - गायक
- अजाः - बकरियाँ
- पाठयावः - पढ़ाती है
- गायावः - गाते हैं
- कूर्दामः - कूदते हैं
- स्मः - हैं
- उत्पतामः - उड़ते हैं
- यच्छामि - देता हूँ
- खगाः - पक्षी
- पचामी - पकाती हूँ
- यच्छामि - देती हूँ

पाठ का परिचय

- बोलने वाला उत्तम पुरुष होता है। उत्तम पुरुष में तीनों लिंगों के लिए एकवचन में अहम ,द्विवचन में आवाम तथा बहुवचन में वयम का प्रयोग होता है।
- तीनों लिगों के लिए क्रिया समान होती है। जैसे-

एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
अहम् लिखामि	आवाम् लिखाव:	वयम् लिखाम:

विशेष – वर्तमान काल (लट् लकार) में किसी भी क्रिया के साथ एकवचन में **'आमि'** द्विव **'आव:'** तथा बहुवचन में **'आम:'** प्रत्यय जोड़कर क्रियापद बनाते हैं–

जैसे– पठ् + आमि = पठामि

पठ् + आव: = पठाव:

पठ् + आम: = पठाम:

अहं गायक: अस्मि।

अहं गायामि।

Scanned with CamScanner

आवां मृगौ स्व:।

आवां भ्रमाव:।

वयं खगा: स्म:।

वयं उत्पताम:।

अहं महिला अस्मि।

अहं भोजनं पचामि।

आवां कोकिले स्व:

आवां गायाव:।

वयं अजा: स्म:।

वयं धावाम:।

अहं सूर्य: अस्मि।

अहं प्रकाशं यच्छामि।

Scanned with CamScanner

आवां मित्रे स्व:।

आवां वदाव:।

अभ्यासकार्यम

प्र-1 प्रदतेषु कर्तृपदेषु उचित कर्तृपदेषु रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- -------- शुकौ स्वः। (आवाम, वयम)

2- ------- देशभक्ताः स्मः। (वयम, अहम)

3- ------- मयूरः अस्मि। (अहम, आवाम)

4- ------- मित्राणि स्मः। (अहम, आवाम, वयम)

5- ------- कोकिले स्वः। (आवाम, अहम)

6- ------- अध्यापकः अस्मि। (अहम, वयम)

7- ------- पादपौ स्वः। (आवाम, वयम)

8- ------- चित्रकाराः स्मः। (वयम, आवाम)

प्र-2 अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धं कुरुत।

1- आवां खादामः। - आवां खादावः।

2- वयं सैनिकाः स्वः। - वयं सैनिकाः स्मः।

3- अहं कविता स्मः । - अहं कविता अस्मिः।

4- आवां गीतं गायामः। - आवां गीतं गायावः।

5- अहं पत्रं लिखावः। - अहं पत्रं लिखामि।

6- वयं छात्राः अस्मि। - वयं छात्राः स्मः।

प्र-3 उचित कियापदेन रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- आवां फलानि -------- ।(खादामि, खादावः)

2- वयं -------। (लिखामि, लिखामः)

3- अहम -------। (गायावः, गायामि)

4- आवां बकौ-------। (स्वः, स्मः)

5- अहं रमा -------। (अस्मि, स्वः)

6- आवां गायिके -------। (स्वः, स्मः)

7- वयं मयूराः -------। (स्मः, अस्मि)

8- अहं -------। (धावामि, धावामः)

प्रवृत्ति

- **स्व परिचय लिखत। (पञ्च)**

मधुराः श्लोकाः (पठनाय)

(पठनाय स्मरणाय गानाय च)

मधुराः श्लोकाः

1. प्रदोषे दीपकः चन्द्रः प्रभाते दीपकः रविः ।
   त्रैलोक्ये दीपकः धर्मः सुपुत्रः कुलदीपकः॥

2. ताराणां भूषणं चन्द्रः, नारीणां भूषणं पतिः।
   पृथिव्याः भूषणं राजा, विद्या सर्वस्य भूषणम्॥

3. माता शत्रुः पिता वैरी, येन बालो न पाठितः।
   न शोभते सभामध्ये, हंसमध्ये बको यथा॥

4. अलसस्य कुतो विद्या, अविद्यस्य कुतः धनम्।
   अधनस्य कुतो मित्रम्, अमित्रस्य कुतः सुखम्॥

5. भूमेः गरीयसी माता, स्वर्गात् उच्चतरः पिता।
   जननी जन्मभूमिः च, स्वर्गात् अपि गरीयसी॥

Scanned with CamScanner

दशमःपाठः

संख्यावाचकाः शब्दाः

शब्दार्थाः

- गर्जति - गरजता है
- नव - नौ
- पाटलपुष्पाणि - गुलाब केफ ूल
- कन्याः - लड़कियाँ
- मीनाः - मछलियाँ
- त्रयोदश - तेरह
- पञ्चदश - पन्द्रह
- षोडश - सोलह
- उत्पतन्ति - उड़ते है
- सप्तदश - सतरह
- देवाः - अनेक देव
- विंशति - बीस
- ज्वलन्ति - जलते है
- नक्षत्राणि - तारे
- एकादश - ग्यारह
- द्वादश - बारह
- हंसाः - अनेक हंस
- चर्तुदश - चौदह
- विकसन्ति - खिलते है
- खगाः - पक्षी
- कदलीफलानि- केले का फल
- अष्टादश - अठारह
- नवदश - उन्नीस
- शुकाः - तोते

पाठ का परिचय

पञ्च मक्षिकाः

नपुंसकलिंग-संख्यावाचक-शब्दाः

एकं गृहम्

द्वे पुस्तके

त्रीणि कदलीफलानि

चत्वारि पत्राणि

पञ्च नक्षत्राणि

ऊपर दी गई तालिका से ज्ञात होता है कि एक से चार तक तीनों लिंगों में अलग-अलग संख्या
पदों का प्रयोग होता है जबकि पाँच के लिए तीनों लिंगों में एक ही यानी 'पञ्च' का। इसी प्रकार
बीस के लिए तीनों लिंगों में एक-एक संख्यावाचक पद का प्रयोग होता है।

वाक्यप्रयोगः

1. **एकः** सिंहः गर्जति।

2. **द्वे** मित्रे गच्छतः।

3. **त्रीणि** पत्राणि पतन्ति।

4. **चत्वारः** वानराः कूर्दन्ति।

Scanned with CamScanner

अभ्यासकार्यम

प्र-1 कोष्ठकात उचितं विकल्पं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- 18 (**अष्टादश**, अष्ट)

2- 20 (**विंशतिः**, नवदश)

3- 19 (**नवदश**, दश)

4- 5 (**पञ्च**, पञ्चदश)

5- 6 (षोडश, **षट**)

6- 11 (एक, **एकादश**)

7- 17 (**सप्तदश**, सप्त)

8- 8 (अष्ट, द्वादश)

9- 14 (चतुर्दश, चत्वारः)

10- 16 (षट, षोडश)

प्र-2 संख्यावाचक-विशेषणेन सह विशेष्यं मेलयत-

विशेषणपदानि	विशेष्यपदानि
1- एकः	गायिकाः
2- द्वे	नायिका
3- द्वौ	बालः
4- एका	नृपाः
5- तिस्रः	छात्रौ
6- चत्वारः	बालिके
7- चत्वारि	फलम
8- एकम	पुष्पाणि

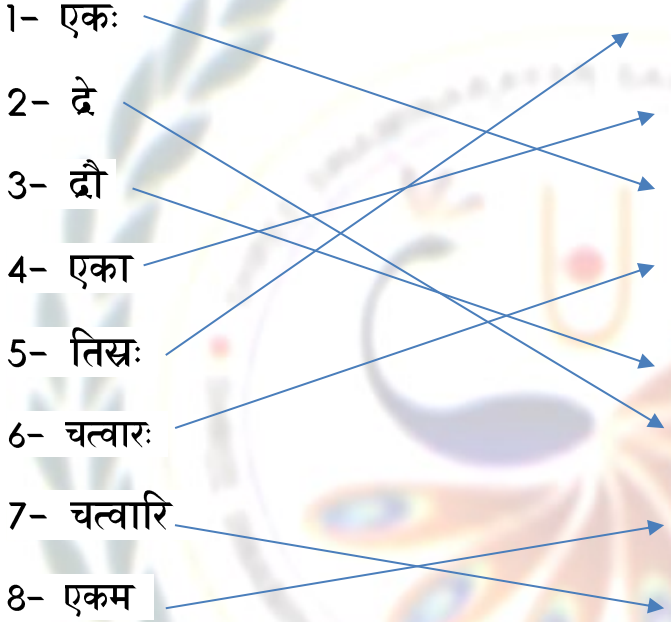

प्रवृत्ति

- **संख्यावाचक पदानि लिखत। (एक से बीस)**

एकादशःपाठः

अव्यय-पदानां प्रयोगः

शब्दार्थाः

- कुत्र - कहाँ
- हय - बोता हुआ कल
- प्रवहति- बहती है
- अधुना - इस समय
- कदा - कब
- उपादिशत - उपदेश दिया
- युद्धक्षेत्रे- युदध क्षेत्र में
- मोहग्रस्त - मोह में पड़े हुए
- यदा - जब
- तदा - तब
- देवालय - मंदिर
- श्वः - कल
- प्रातः - सुबह
- एव - ही
- सर्वत्र - हर जगह
- पुनः - फिर
- वार्तालापं - बातचीत

अभ्यासकार्यम

प्र-1 निम्नलिखित अव्यय पदों के अर्थ बताओ-

1- कुत्र - कहाँ

2- सर्वत्र - हर जगह

3- हयः - बीता हुआ कल

4- श्वः - कल

5- अधुना - इस समय

6- प्रातः - सुबह

7- पुनः - फिर

8- एव - ही

9- यदा - जब

10-तदा - तब

प्र-2 बहुवैकल्पिक प्रश्ना-

1- तुषारः हयः कुत्र अगच्छत?

(क)दिल्लीनगरम (ख)हरिदवारनगरम (ग)जयपुरनगरम

2- हरिदवारे का नदी प्रवहति?

(क) गंगा (ख) यमुना (ग) नर्मदा

3- हरिदवार नगरं कस्मिन राज्ये अस्ति?

(क) बिहारराज्ये (ख)उत्तरप्रदेश राज्ये (ग)उत्तराखण्डराज्ये

4- युदधक्षेत्रे कः मोहग्रस्तः अभवत?

क) गंगा (ख) यमुना (ग) नर्मदा

5- अक्षरधाम-देवालयः कुत्र अस्ति?

(क) पटना-नगरे (ख)इलाहाबाद-नगरे (ग)दिल्ली-नगरे

प्र-3 अधोलिखितानि अव्ययानि अर्थैः सह मेलयत-

अव्ययानि	अर्थाः
1- सर्वत्र	क- आनेवाला कल
2- अधुना	ख- बीता हुआ कल
3- प्रातः	ग- अब
4- पुनः	घ- सुबह
5- एव	ड़- कहाँ
6- कुत्र	च- हर जगह
7- हयः	छ- ही
8- श्वः	ज- फिर

(उत्तर- 1- च, 2-ग, 3-घ, 4-ज, 5-छ, 6- ड़, 7-ख, 8-क)

प्र-4 अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धं 'आम' अशुद्धं 'न' लिखत।

1- हरिदवारे गंगा नदी प्रवहति। (आम)

2- गीता गीतां पठति। (आम)

3- युदध क्षेत्रे श्रीकृष्णः बलरामं उपादिशत। (न)

4- नव्या श्वः दिल्ली नगरस्य रक्तदुर्ग गमिष्यति। (न)

5- ईश्वरः सर्वत्र निवसति। (आम)

प्र-5 मञ्जूषायां प्रदतैः अव्ययपदैः रिक्तस्थानानि पूरयत।

(कुत्र, सर्वत्र, अधुना, प्रातः, श्वः)

1- मोहनः कुत्र गमिष्यति?

2- मम पिता प्रातः भ्रमति।

3- ईश्वरः सर्वत्र अस्ति।

4- गीता श्वः दिल्ली नगरं गमिष्यति।

5- तुषारः अधुना क्रीडति।

प्रवृत्ति

- **अव्यय पदानि लिखत। (दश)**

सूक्तयः (पठनाय)

सूक्तयः (केवलं पठनाय)

1. सत्यमेव जयते।
2. विनाशकाले विपरीतबुद्धिः।
3. मूर्खस्य नास्ति औषधम्।
4. अति सर्वत्र वर्जयेत्।
5. शठे शाठ्यं समाचरेत्।
6. दूरतः पर्वताः रम्याः।
7. आशा दुःखस्य कारणम्।
8. विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।
9. संतोषः परमं सुखम्।
10. नास्ति क्रोधसमो रिपुः।

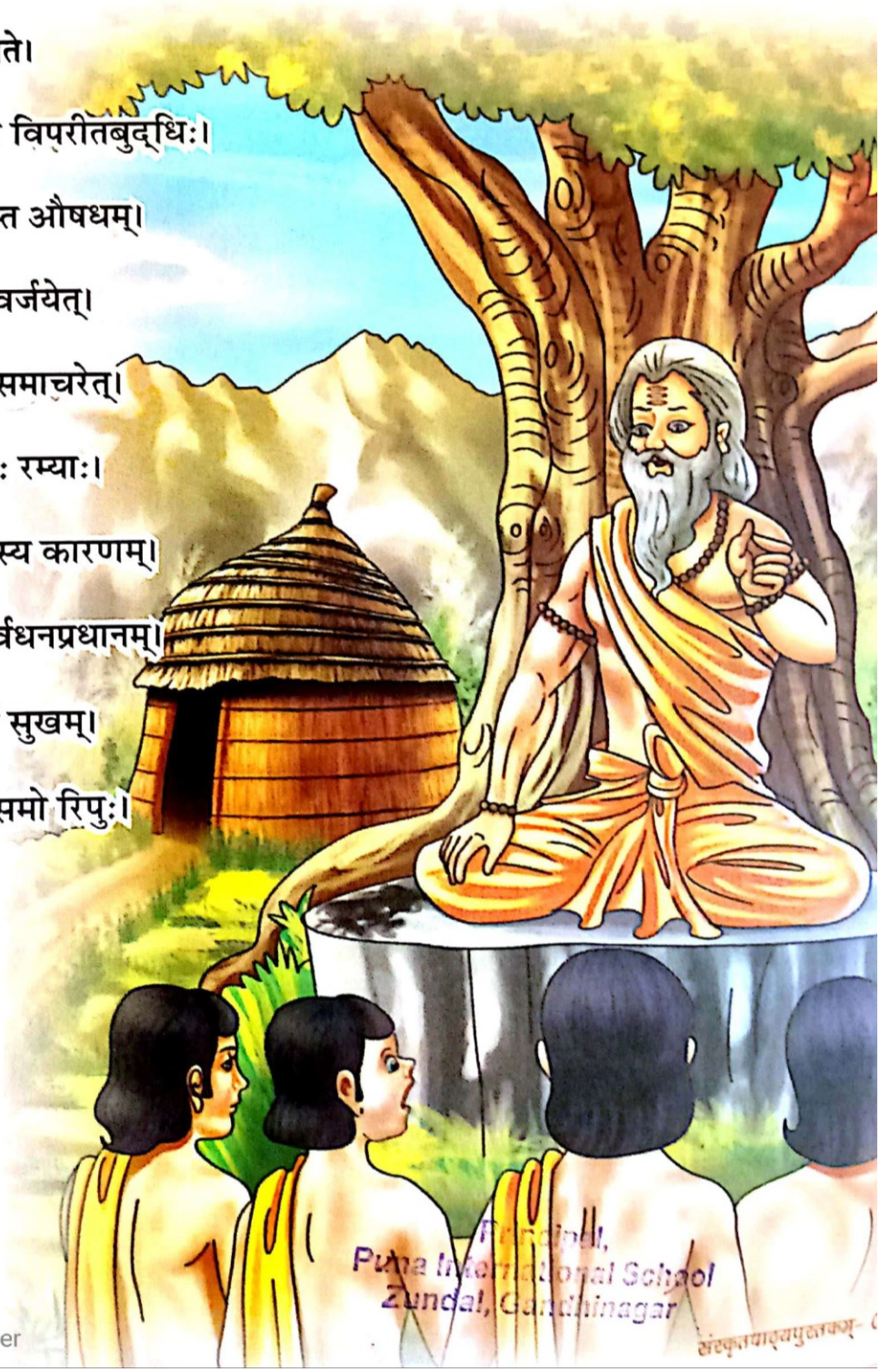

Scanned with CamScanner

द्वादशःपाठः

श्री रामस्य कथा

पुरा अयोध्यायाः नृपः दशरथः आसीत्। तस्य तिस्रः भार्याःआसन् - कौशिल्या कैकेयी सुमित्रा च। राज्ञः दशरथस्य चत्वारः पुत्राः आसन् - रा लक्ष्मणः भरतः शत्रुघ्नः च।

पितुः आज्ञां प्राप्य श्रीरामः लक्ष्मणः सीता च वनम् अगच्छन्। वने सर्वे 'पंचवटी' इति स्थाने अवसन्।

वने लंकायाः राजा रावणः सीतायाः अपहरणम् अकरोत्।

वने श्रीरामः हनुमतः सहायतया सुग्रीवम् अमिलत्। सुग्रीवः वानरराजः आसीत्।

पवनपुत्रः हनुमान् लंकानगरम् अगच्छत्। सः तत्र सीतां अमिलत्। सः लंकादहनम् अकरोत्।

यदा हनुमान् लंकादहनं कृत्वा आगच्छत् तदा श्रीरामः प्रसन्नः अभवत्। सः वानराणां सेनया सह लंकाम् अगच्छत्। तत्र महायुद्धे रावणः राक्षसैः सह पञ्चत्वं गतः।

रावणोपरि विजयं प्राप्य श्रीरामः लक्ष्मणः सीता च अयोध्यां आगच्छन्। तत्र श्रीरामस्य राज्याभिषेकः अभवत्।

Scanned with CamScanner

शब्दार्थाः

- नृपः - राजा
- भार्याः - पत्नियाँ
- आज्ञा - आदेश
- वनम - जंगल
- अपहरण - अपहरण
- वानरराजः - बंदरो का राजा
- अमिलत - मिला
- आगच्छत - आए
- सेना - सेना
- तदा - तब
- दहन - जलाना
- महायुदधे - महायुदध में
- राक्षसेः सह - राक्षसों के साथ
- पञ्चतवं गतः - मर गया
- राज्याभिषेकः - राज्याभिषेक

अभ्यासकार्यम

प्र-1 पाठं पठित्वा शुदधं उत्तर चिनुता-

1- दशरथस्य कति भार्याः आसन?

(क)चतस्रः (ख)तिस्रः (ग) दवे (घ) पञ्च

2- दशरथस्य कति पुत्राः आसन?

(क) दवौ (ख) चत्वारः (ग) त्रय (घ) षट

3- सीतायाः अपहरणम कः अकरोत?

(क) रावणः (ख) सुग्रीवः (ग) मेधनादः (घ)कुम्भकर्णः

प्र-2 अधोलिखितानि वाक्यानि शुदधं कुरुत-

1- सर्व वने अवसत। - सर्व वने अवसन।

2- सुग्रीवः वानरराजः आसन। - सुग्रीवः वानरराजः आसोत।

3- सः सीताम अमिलताम । - सः सीताम अमिलत ।

प्र-3 अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धं 'आम' अशुद्धं 'न' लिखत।

1- लंकायाः नृपः दशरथः आसीत। (न)

2- दशरथस्य चत्वारः पुत्राः आसन। (आम)

3- वने सर्वे अयोध्यायाः समीपे अवसन। (न)

4- हनुमान लंकादहनम अकरोत। (आम)

प्र-4 अधोलिखित-शब्दान अर्थैः सह मेलयत-

शब्दाः	**अर्थाः**
1- वानरराजः	जंगल
2- नृपः	मिला
3- वनम	बन्दरों का राजा
4- अमिलत	राजा

प्रवृत्ति

- **श्री रामस्य कथा लिखत। (दश वाक्य)**